Honge Kamyab

कविता का मूलभाव

अपनी सफलता के लिए मन में अटूट विश्वास लिए यह कविता बताती है कि एक दिन ऐसा अवश्य आएगा जब हमारे चारों ओर शांति होगी तथा हम मिलजुलकर, निडरता से अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ेंगे तथा सफलता प्राप्त करेंगे।

कविता का सरलार्थ

होंगे कामयाब .... चारों ओर एक दिन।

हम सब देश की प्रगति व निर्माण के लिए अथक प्रयास करेंगे। हमारा विश्वास है कि हम इसमें एक दिन अवश्य सफल होंगे। हमारे मन में अपनी सफलता का पूर्ण विश्वास है। हमें पूर्ण विश्वास है कि एक दिन ऐसा आएगा जब हमारे चारों ओर पूर्ण रूप से शांति का साम्राज्य स्थापित होगा।

हम चलेंगे .... एक दिन।

जब देश में शांति स्थापित हो जाएगी तो कोई विरोधाभास नहीं रहेगा। उस दिन हम सब मिलजुलकर साथ-साथ चलेंगे। अर्थात हम सबमें एकता का भाव जाग्रत होगा। हम एक-दूसरे की सहायता करेंगे तथा मिलजुलकर उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे।

क. कवि को किस बात का पूरा विश्वास है?

उ. ···कवि को इस बात का पूरा विश्वास है कि हम अवश्य कामयाब होंगे। हम निर्भय होकर साथ-साथ··· ···चलेंगे। हमारे चारों ओर शांति होगी।···

ख. 'चारों ओर' से कवि का क्या तात्पर्य है?

उ. ···'चारों ओर' से कवि का अभिप्राय देश में सब जगह से अर्थात पूरे देश से है।···

ग. 'हम चलेंगे साथ-साथ' ऐसा कहने के पीछे कवि का क्या उद्देश्य है?

उ. ···'हम चलेंगे साथ-साथ' कहने के पीछे कवि का उद्देश्य है कि एक दिन संपूर्ण राष्ट्र में एकता की··· ···भावना स्थापित होगी।···